सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 274 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 15 नवम्बर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

उत्तराखंड के मंत्री अब जिलों में जाकर... 2

किसी बच्चे की शिक्षा अपने ज्ञान तक सीमित मत रखिये, क्योंकि वह किसी और समय में पैदा हुआ है।
-रविन्द्रनाथ टैगोर

उपचुनाव में अखिलेश को मजबूती... 3

यह नेताजी के सिद्धांतों का चुनाव... 7

उपचुनाव की जंग हुई सपा V/S भाजपा

शिवपाल के करीबी को डिंपल के खिलाफ भाजपा ने उतारा

» मैनपुरी में डिंपल यादव के खिलाफ रघुराज आजम खां की सीट पर आकाश सक्सेना खतौली से राजकुमारी सैनी को मिला टिकट

» बीजेपी ने उपचुनाव के लिए घोषित किए उम्मीदवार कहा- जीतेंगे सभी सीटें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी, रामपुर और खतौली सीट पर उपचुनाव के लिए भाजपा ने आज अपने उम्मीदवार के नाम का एलान कर दिया। बीजेपी ने मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव के लिए रघुराज सिंह शाक्य को उम्मीदवार बनाया है। जबकि रामपुर से आकाश सक्सेना पर भरोसा जताया है। वहीं, खतौली सीट से भाजपा के विधायक रहे विक्रम सैनी की पत्नी राजकुमारी सैनी को उम्मीदवार बनाया गया है।

बता दें कि सपा की प्रत्याशी डिंपल यादव को टक्कर देने वाले भाजपा के रघुराज शाक्य की गिनती प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल यादव के करीबी के रूप में होती है। इसी साल फरवरी में रघुराज शाक्य ने प्रसपा छोड़ दी और बीजेपी का दामन थाम लिया था। इससे पहले सोमवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव ने मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव सीट पर अपना नामांकन दाखिल किया है। इसी बीच बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कहा कि उपचुनाव में हम तीनों सीट जीतेंगे। मैनपुरी में नेताजी की यादें हैं, मगर वहां अखिलेश को सहानभूति नहीं मिलेगी। क्योंकि मैनपुरी ही नहीं, प्रदेश की जनता भाजपा के कामों से खुश है।

3 सीट पर होने हैं 5 दिसंबर को उपचुनाव

आगामी पांच दिसंबर को मैनपुरी लोकसभा और दो विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव होना है। सबकी निगाहें मैनपुरी और रामपुर पर लगी हैं। यूं तो यह सपा की परंपरागत सीट रही है मगर भाजपा इस बार सपा मुखिया को उनके घर में घेरने की व्यूह रचना में जुटी है।

दो बार सांसद रह चुके हैं रघुराज

रघुराज दो बार सांसद रह चुके हैं। भाजपा में शामिल होने से पहले रघुराज शाक्य, प्रसपा के प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर थे। रघुराज शाक्य 1999 और 2004 में समाजवादी पार्टी (सपा) के टिकट पर इटावा से सांसद चुने गए थे। उन्होंने 2012 में सपा के टिकट पर इटावा सदर सीट से विधानसभा का चुनाव भी जीता था। रघुराज शाक्य ने 27 जनवरी 2017 को सपा से इस्तीफा दे दिया था।

आजम खां के खिलाफ आकाश ने दर्ज कराया था केस

आकाश सक्सेना वहीं भाजपा नेता हैं, जिन्होंने सपा नेता आजम खां के खिलाफ पुलिस केस दर्ज कराया था। रामपुर विधानसभा सीट से 2022 में उनके खिलाफ चुनाव भी लड़े, हालांकि हार गए थे। आकाश अब तक 43 मुकदमों में आजम के खिलाफ सीधे पक्षकार हैं। जनवरी 2018 में आजम के बेटे के फर्जी बर्थ सर्टिफिकेट मामले से शुरू हुई यह लड़ाई अब आजम की विधायकी गंवाने तक पहुंच चुकी है। आकाश कल्याण से राजनाथ और राम प्रकाश गुप्ता सरकार में मंत्री रहे शिव बहादुर सक्सेना के बेटे हैं।

आरएलडी के प्रत्याशी के खिलाफ राजकुमारी सैनी उम्मीदवार

मुजफ्फरनगर की खतौली सीट से भाजपा ने पूर्व विधायक विक्रम सैनी की पत्नी राजकुमारी सैनी को अपना प्रत्याशी बनाया है। विक्रम सैनी को हेट स्पीच के मामले में 2 साल की सजा सुनाई गई थी, जिस वजह से उन्हें सीट छोड़नी पड़ी थी। अब भाजपा ने इस सीट से विक्रम सैनी की पत्नी को मैदान में उतारा है। इस सीट पर सपा की सहयोगी पार्टी आरएलडी चुनाव लड़ रही है।

हमारी सरकार में समाज के प्रत्येक वर्ग को योजनाओं का लाभ मिला: सीएम योगी

» 39 हजार आवासों के लाभार्थियों को मुख्यमंत्री ने दी घर की चाबी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में ग्राम विकास विभाग के सीएम आवास योजना कार्यक्रम में हिस्सा लिया। लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत निर्मित होने वाले 34,500 आवासों के लाभार्थियों को प्रथम किस्त के आनलाइन हस्तांतरण व 39,000 आवासों के लाभार्थियों के चाबी वितरण कायक्रम में

फोटो: सुमित कुमार

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार बिना किसी भेदभाव के समाज के प्रत्येक वर्ग को योजनाओं का लाभ मिला वो पीएम मोदी के कार्यकाल में मिला।

सीएम योगी ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर सीएम आवास योजना के तहत 34,500 आवासों के लाभार्थियों को प्रथम किस्त के आनलाइन हस्तांतरण व 39,000 आवासों के लाभार्थियों के ग्रह प्रवेश की बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि यूपी ने साढ़े पांच वर्षों के दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में 45 लाख गरीबों को सिर ढकने के लिए एक एक आवास उपलब्ध कराया है।

सपा नेता अबू आजमी की करीबी आभा गुप्ता के ठिकानों पर आईटी की छापेमारी

» लखनऊ, कानपुर समेत 30 से ज्यादा जगहों पर छापेमारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी की करीबी आभा गणेश गुप्ता के ठिकानों पर छापेमारी की है। ये छापेमारी बेनामी संपत्ति और कालेधन से जुड़े आरोपों को लेकर है। बताया जा रहा है कि मुंबई, वाराणसी, कानपुर, दिल्ली, कोलकाता और लखनऊ में 30 से ज्यादा ठिकानों पर आईटी ने ये रेड डाली है। अबू आजमी समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र अध्यक्ष हैं।

जबकि आभा गुप्ता अबू आजमी के करीबी और सपा के महासचिव रहे गणेश गुप्ता की पत्नी है। गणेश गुप्ता का निधन हो चुका है। आभा गुप्ता की कंपनियों से जुड़े ठिकानों पर भी ये छापेमारी हुई है। आईटी ने कोलाबा में कमल मेंशन में भी छापेमारी की है। यहां आभा गुप्ता और अबू आजमी का दफ्तर है। इसके अलावा मुंबई, वाराणसी, कानपुर, दिल्ली, कोलकाता और लखनऊ में छापेमारी की गई है। वाराणसी में विनायक निर्माण लिमिटेड कंपनी के परिसर में रेड डाली गई।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का आरोप

सपा सरकार में को-आपरेटिव क्षेत्र बना था लूट का अड्डा

» पूर्व की समाजवादी सरकार के कामकाज पर एक बार फिर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने उत्तर प्रदेश में सहकारिता के क्षेत्र में हासिल की जा रही उपलब्धियों के जिक्र के साथ ही पूर्व की समाजवादी सरकार के कामकाज पर एक बार फिर सवाल उठाए हैं। 69 वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह के उद्घाटन सत्र में उन्होंने कहा कि हमारा को-आपरेटिव सेक्टर धीरे-धीरे वट वृक्ष का रूप ले रहा है। आज सब कुछ पारदर्शी तरीके से हो रहा है। जबकि पूर्व के समाजवादी शासनकाल में इसे दुधारू गाय समझ लिया गया था। सहकारिता सप्ताह के पहले दिन उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ लिमिटेड द्वारा सहकारी क्षेत्र में ईज आफ डूइंग बिजनेस जेम और निर्यात संवर्धन विषय पर चर्चा हुई। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि वो जमाना गया जब यहां भ्रष्टाचार था।

को-आपरेटिव सेक्टर को लूट का अड्डा बनाया जा रहा था। आज हमारा को-आपरेटिव सेक्टर देश की हर संस्था से मुकाबले को तैयार है। जेम पोर्टल की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि पहले खरीद में बहुत घोटाला था, अब वह जुगाड़ खत्म हो गया है। सरकार ने ई-मार्केट खोल दिया है, पारदर्शी तरीके से खरीद की व्यवस्था की गई है। अब सरकार पर कोई उंगली नहीं उठा सकता। इस मौके पर उन्होंने अधिकारियों को भी नसीहत दी कि वे अपने दायित्व का निर्वाह करें। गरीब किसान की मदद करें। इस मौके पर वित्तीय सलाहकार पीके अग्रवाल ने ईज आफ डूइंग बिजनेस से जुड़ी जानकारी साझा की। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि व्यापार सुगमता में जो अनावश्यक रुकावटें आती हैं उन्हें दूर करना है। उदाहरण देकर बताया कि को-आपरेटिव में अब आनलाइन रजिस्ट्रेशन हो सकता है, यही ईज आफ डूइंग बिजनेस है। इस अवसर पर सहकारिता की मासिक पत्रिका का भी विमोचन किया गया। अतिथियों का स्वागत यूपीआरएनएसएस के प्रबंध निदेशक एके सिंह ने किया। सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने कहा कि जहां सहकारिता के छोटे-छोटे चक्र होंगे वहां अर्थव्यवस्था कभी डूब नहीं सकती। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में काम करने वाले सहकारी संस्थाएं ग्रामीणों की हर जरूरत को पूरा करने में सक्षम हैं। को-आपरेटिव बैंक का विशेषतौर पर जिक्र करते हुए कहा कि राज्य सहकारी बैंकों में 33 राज्यों में यूपी नौवें नंबर पर है। हम राज्य के प्रत्येक ग्रामीण को बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने कहा कि हमारी संस्थाएं आज लाभ में हैं। ईज आफ डूइंग बिजनेस में भी हमारी जिम्मेदारी बढ़ी है। हम उत्तर प्रदेश को व्यापार सुगमता के मामले में पहले स्थान पर स्थापित करेंगे।

कभी-कभी फिसल जाती है जवान: संजय निषाद

» कैबिनेट मंत्री ने मांगी माफी, कहा- मैं अपने शब्द वापस लेता हूं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विपक्षी नेताओं द्वारा आलोचना किए जाने के बाद यूपी के कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद ने अपने विवादित बयान पर माफी मांग ली। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को कुत्तों और गधों से सीखने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा कि मेरे शब्दों को गलत तरीके से बताया गया। मैंने कहा था कि जानवर भी अपनी रक्षा के लिए खड़े होते हैं। आप सालों तक कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और बसपा को वोट देते रहे। मैंने उन्हें उदाहरण देकर समझाने की कोशिश की। वह शब्द मेरे मुह से गलती से निकल गया था। कभी-कभी जीभ फिसल जाती है। मैं अपने शब्द वापस लेता हूं। उन्होंने आगे कहा कि मेरे बयान का समर्थन करने के लिए मैं अपने समाज का आभार जताता हूं।

हमारे अंदर निषाद गुहाराज महाराज का खून है। लेकिन पिछली सरकारों ने इस खून को सुला दिया था। संजय निषाद का एक वीडियो वायरल हुआ था। वे बलिया में निषाद समाज के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्हें कुत्तों और गधों से सीख लेने की सलाह दे रहे थे। वायरल वीडियो में निषाद ने कहा मैं यहां बलिया की जनता के गुस्से का सामना करने आया हूं। बलिया के लोगों को जब गुस्सा आता है तो वे देश में बदलाव लाते हैं। जब बलिया के लोगों को गुस्सा आया तो उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत को देश से उखाड़कर फेंक दिया। उन्होंने आगे कहा, आपने अपने बच्चों के लिए क्या किया? जब कोई कुत्ते के बच्चे को छेड़ता है तो उसकी मां उसे काटकर मांस नोंच लेती है। कुत्ते भी अपने बच्चों से प्यार करते हैं। अगर आप पुलिस थाने जाते हैं तो वहां आपको कभी अपने समाज का कांस्टेबल नहीं मिलेगा। यहां तक कि बीडीओ कार्यालय में चपरासी भी नहीं मिलेगा। डीएम कार्यालय में आपके समाज का क्लर्क नहीं मिलेगा। आप किसी भी विभाग में जाएंगे तो आप खुद को जीरो पाएंगे।

उत्तराखंड के मंत्री अब जिलों में जाकर सुनेंगे लोगों की समस्याएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपने जिले के लोगों की हर समस्याओं का समाधान करने में जुटे हैं। वे छोटी-से छोटी बात पर अपनी मंत्रियों व अफसरों से फीड बैक लेते हैं ताकि जनता भाजपा से जुड़ सके। इसी कड़ी में जनता और कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनने मंत्री भी अब जिलों में जाएंगे। भाजपा ने इनके प्रवास कार्यक्रम तय कर दिए हैं।

प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट दो-तीन दिन के भीतर इसका ऐलान कर सकते हैं। मंत्रियों के पार्टी मुख्यालय में भी लोगों की समस्या सुनने के दिन तय किए जा रहे हैं। बीते दिनों उत्तराखंड के दौरे पर आए राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवं प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम ने सरकार और संगठन के साथ बैठक कर मंत्रियों को जिलों में भेजने के निर्देश दिए थे। तब भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष कुलदीप कुमार को मंत्रियों के प्रवास कार्यक्रमों के प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। सीएम पुष्कर धामी आमतौर पर शनिवार और रविवार को जिलों के प्रवास कार्यक्रम बना रहे हैं। वे सात जिलों में प्रवास कर चुके हैं।

संगठन के जनाधार को बढ़ाने पर मायावती का जोर

» लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाने का दिया निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने संगठन के जनाधार को बढ़ाने पर जोर दिया है। पंजाब, चंडीगढ़, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के पदाधिकारियों की समीक्षा बैठक में मायावती ने वहां की राजनीतिक, सामाजिक, कानून-व्यवस्था की स्थिति की जानकारी ली। संगठन की मजबूती और जनाधार बढ़ाने पर जोर देते हुए पदाधिकारियों को लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों में जुट जाने का निर्देश दिया।

बसपा प्रमुख मायावती ने पदाधिकारियों को पार्टी का एजेंडा सौंपा और स्पष्ट कहा कि बसपा धन्ना सेठों के इशारे पर चलने वाली गुलाम पार्टी नहीं है। इसीलिए पार्टी के लोगों को पूरे तन, मन और धन से समर्पित होना होगा। उन्होंने कहा कि सरकारों की गलत व जातिवादी नीतियों से दलित, पिछड़े व कमजोर वर्ग और गरीबों के जीवन में अपेक्षित सुधार न होने से बेरोजगारी और गरीबी बढ़ी है। पंजाब की समीक्षा के दौरान बताया गया कि नई सरकार बनने के बाद भी वहां सुधार नहीं आया है। कानून-व्यवस्था की स्थिति तेजी से बिगड़ी है। मायावती ने लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखकर वहां अभी से जनाधार बढ़ाने पर जोर दिया। बैठक में जम्मू-कश्मीर में अभी तक हालात सामान्य न होने, दावों के विपरीत प्रवासी मजदूरों और कश्मीरी पंडितों की जानमाल की सुरक्षा सुनिश्चित न होने पर चिंता व्यक्त की गई। इस मामले में केंद्र सरकार से सही रुख अपनाकर आगे की कार्रवाई की मांग की गई। कहा कि वहां लोकतंत्र की बहाली के लिए विधानसभा चुनाव कराना बहुत जरूरी है, ताकि लोग अपनी चुनी हुई सरकार से मिल सके।

गड्ढे भरने के लिए 15 दिन और समय बढ़ा

अब तक 84 फीसदी गड्ढे भरे, सत्यापन कराएगी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने सड़कों को गड्ढामुक्त करने की समय सीमा 30 नवंबर तक बढ़ा दी है। दावों के मुताबिक अब तक 84 फीसदी सड़कों के गड्ढे भर दिए गए हैं। इन कामों का सरकार सत्यापन भी कराएगी। पीडब्ल्यूडी मंत्री स्वयं भी इन कामों की गुणवत्ता चेक करेंगे। पीडब्ल्यूडी की रिपोर्ट के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में 4851 किमी सड़कों का नवीनीकरण कराया जा चुका है। जबकि 6224 किमी सड़कों की विशेष मरम्मत हुई है।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने 15 नवंबर तक सभी सड़कों को गड्ढामुक्त करने के निर्देश दिए थे। पर अक्टूबर के दूसरे सप्ताह तक कई जिलों में अत्यधिक बारिश व अन्य कारणों ने यह काम प्रभावित हुआ। ऐसे में इस कार्य की समय सीमा बढ़ा दी गई। यह अभियान 15 अक्टूबर चल रहा था इसी बीच धीमी रफ्तार पर पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद ने कड़ा एतराज जताया था।

उपचुनाव में अखिलेश को मजबूती देगी रालोद, डिंपल की नैया लगाएंगी पार

» जरूरत के समय सहयोगी दलों ने किया अखिलेश यादव से किनारा, मोर्चे पर अब सिर्फ आरएलडी ही साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव 2022 के दौरान अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने वाले कई दल अब उनके साथ नहीं हैं, जबकि इस समय उनको साथ की सख्त जरूरत है। इस बार उप चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ सिर्फ राष्ट्रीय लोकदल और अपना दल कमेरावादी ही है। राष्ट्रीय लोकदल के लिए समाजवादी पार्टी ने मुजफ्फरनगर की खतौली सीट छोड़ दी है। मैनपुरी लोकसभा और रामपुर के साथ खतौली विधानसभा का उप चुनाव पांच दिसंबर को होगा।

समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन और पार्टी के संस्थापक सदस्य रामपुर के आजम खां को सजा के बाद से अखिलेश यादव को सहयोगी दलों की काफी जरूरत थी, लेकिन चाचा शिवपाल सिंह यादव के साथ ही ओम प्रकाश राजभर और केशव देव मौर्य ने उनका साथ छोड़ दिया है। इतना ही नहीं, ओम प्रकाश राजभर की पार्टी ने तो मैनपुरी लोकसभा उप चुनाव के साथ रामपुर विधानसभा उप चुनाव में अपना प्रत्याशी भी उतारा है। उधर, प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया (पीएसपीएल) के अध्यक्ष शिवपाल यादव ने डिंपल की उम्मीदवारी के समर्थन पर चुप्पी बनाए रखी है।

मैनपुरी समाजवादी पार्टी की सबसे सुरक्षित सीट

अखिलेश यादव ने मैनपुरी से अपनी पत्नी पूर्व सांसद डिंपल यादव को मैदान में उतारा है। उनका यह फैसला लोगों को काफी अप्रत्याशित लगा। मैनपुरी की सीट तो समाजवादी पार्टी की सबसे सुरक्षित सीट मानी जाती है। इस सीट को समाजवादी पार्टी की घरेलू सीट माना जाता है। यहां से मुलायम सिंह यादव या फिर समाजवादी पार्टी का कोई प्रत्याशी चुनाव नहीं हारा है। समाजवादी पार्टी के लिए इस सीट को जीतना और मुलायम की विरासत को बनाए रखना महत्वपूर्ण है।

करीबियों ने बना ली बड़ी दूरी

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के करीबियों ने उनसे उस समय बड़ी दूरी बना ली है, जब उनको किसी के साथ की सख्त जरूरत है। सपा ऐसे समय में करीबियों को गंवा रही है, जब उसे उनकी सबसे ज्यादा जरूरत है। लोकसभा तथा विधानसभा उप चुनाव में समाजवादी की प्रतिष्ठा दांव पर है। इनको मैनपुरी तथा रामपुर की सीट बचाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ेगा।

शिवपाल यादव तो इटावा के जसवंतनगर से समाजवादी पार्टी से विधायक हैं। इस क्षेत्र में उनके प्रभाव के कारण समाजवादी पार्टी की जीत दर्ज करने के लिए के लिए उनका समर्थन बेहद महत्वपूर्ण होगा। शिवपाल यादव के इस उप चुनाव पर पूरी तरह चुप्पी बनाए रखने की संभावना है। वह डिंपल के खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोलेंगे और न ही प्रचार करेंगे। अखिलेश ने उनसे इस संबंध में बात तक नहीं की है। परिवार के वरिष्ठ सदस्य परेशान हैं क्योंकि अखिलेश अपने चाचा के साथ संबंध को ठीक करने का कोई प्रयास नहीं कर रहे हैं।

शिवपाल यादव के इस उप चुनाव पर पूरी तरह चुप्पी बनाए रखने की संभावना। वह डिंपल के खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोलेंगे और न ही प्रचार करेंगे

महान दल ने डिंपल यादव को उतारने पर आपत्ति जताई

महान दल ने मैनपुरी से डिंपल यादव को चुनाव के मैदान में उतारने पर आपत्ति जताई है। महान दल के केशव देव ने मैनपुरी से डिंपल यादव को मैदान में उतारने और पार्टी के किसी कार्यकर्ता को मौका ना देने पर अखिलेश यादव की खिंचाई की है। महान दल अध्यक्ष केशव देव मौर्य ने कहा कि डिंपल यादव को मैदान में उतारने का फैसला बुद्धिमानी नहीं है।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने मैनपुरी से उम्मीदवार उतारा

मैनपुरी लोकसभा उप चुनाव के लिए अभा भाजपा ने अपना उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। भाजपा ने भले ही नहीं किया है, लेकिन समाजवादी पार्टी के सहयोगी रहे सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने मैनपुरी से न केवल मैनपुरी में अपना उम्मीदवार उतारा है बल्कि यह दल तो डिंपल यादव की हार की भविष्यवाणी भी कर रहा है। इनका मानना है कि समाजवादी पार्टी के भितरघात का लाभ उनको मिलेगा। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रवक्ता ने कहा कि रावण केवल विभीषण के कारण युद्ध हार गया।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की कश्यप वोटों पर नजर

ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि हमारी पार्टी ने कश्यप वोटों पर नजर रखते हुए मैनपुरी से रमाकांत कश्यप को मैदान में उतारा है। वह समाजवादी पार्टी के ओबीसी वोट आधार में सेंध लगाने की योजना बना रहा है। ओम प्रकाश राजभर ही नहीं, इस बार सपा के सहयोगी रहे महान दल ने भी मैनपुरी से अपना प्रत्याशी उतारने का मन बना लिया है।

महिलाओं को तीन साल में 'लखपति' बनाएगी योगी सरकार, प्लान तैयार

» महिलाओं को आर्थिक रूप से और सक्षम बनाने के लिए लखपति महिला कार्यक्रम किया जाएगा शुरू

» शुरुआती तीन वर्षों में 15 लाख महिलाओं को दिया जाएगा रोजगार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी सरकार अब महिलाओं को आर्थिक रूप से और सक्षम बनाने के लिए लखपति महिला कार्यक्रम शुरू करने जा रही है। इस कार्यक्रम के जरिए शुरुआती तीन वर्षों में 15 लाख महिलाओं को लखपति बनाया जाएगा। ऐसे प्रयास किए जाएंगे कि उनकी वार्षिक पारिवारिक आय एक लाख रुपये से अधिक पहुंचाई जा सके। इसकी जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन को सौंपी गई है।

अधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र के सामने इस कार्यक्रम की रूपरेखा के संबंध में प्रस्तुतीकरण किया जा चुका है। इसको मिशन मोड में लागू कर जल्द ही नतीजे हासिल किए जाने की योजना है। बता दें कि ग्रामीण विकास मंत्रालय ने महिलाओं को उच्च आर्थिक क्रम में ले जाने पर अधिक ध्यान देने के लिए, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) से जुड़ी ग्रामीण महिलाओं को लखपति बनाने के लिए एक पहल की शुरुआत की। इस मिशन के तहत, विभिन्न वर्ग और जाति की गरीब महिलाएं स्वयं सहायता समूहों और उनके संघों में शामिल होती हैं, जो अपने सदस्यों को उनकी आय और जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए वित्तीय, आर्थिक और सामाजिक विकास सेवाएं प्रदान करते हैं।

पहले चरण में 11 जिलों से होगी शुरुआत

पहले चरण में 11 जिलों में इसकी शुरुआत की जाएगी। इसमें वाराणसी और प्रयागराज के अलावा अलीगढ़, सुल्तानपुर, बहराइच, बांदा, बस्ती, लखीमपुर खीरी, मिर्जापुर, हमीरपुर और सोनभद्र शामिल हैं। इन जिलों में चरणबद्ध तरीके से अभियान चला कर स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को चिन्हित किया जाएगा और उन्हें विभिन्न प्रकार की योजनाओं से जोड़ कर वार्षिक आय में बढ़ोतरी का प्रयास किया जाएगा। साथ ही उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

इस पर डालें एक नजर

स्वयं सहायता समूहों को मिल रहा संबल। 45 हजार से ज्यादा बैंकिंग करेस्पांडेंट सखी की नियुक्ति। 31 लाख से अधिक निराश्रित महिलाओं को 1000 रुपये प्रतिमाह पेंशन। 10 लाख स्वयं सहायता समूह बनाकर एक करोड़ महिलाओं को जोड़ा गया। महिला स्वयं सहायता समूहों को कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराया। पांच लाख से ज्यादा स्वयं सहायता समूहों को 758 करोड़ से ज्यादा रिवॉल्विंग फंड। करीब 3 लाख स्वयं सहायता समूहों को 3238 करोड़ रुपये सामुदायिक निवेश निधि।

जिला और विकास खंड स्तर पर टास्क फोर्स का गठन

इस कार्यक्रम को जल्द से जल्द नतीजे तक पहुंचाने के लिए समय सीमा भी निर्धारित की गई है। इसके तहत जिला और विकासखंड स्तर पर टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा। 15 नवंबर तक जिला और विकासखंड स्तर पर टास्क फोर्स का गठन हो जाएगा। 30 मार्च के बाद इसकी समीक्षा की जाएगी। जिला स्तर पर जिलाधिकारी टास्कफोर्स के अध्यक्ष होंगे, जबकि मुख्य विकास अधिकारी सचिव होंगे। उपायुक्त स्वतः रोजगार, उपायुक्त मनरेगा इसके सदस्य होंगे। इसके अलावा कृषि विकास, बागवानी, पंचायती राज, महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण, मत्स्य पालन, पशुपालन के सदस्य भी इस टास्क फोर्स में शामिल होंगे। इस टास्क फोर्स का कार्य प्रगति की मासिक समीक्षा करना होगा। टास्क फोर्स का कार्य लखपति महिला एप पर विकास खंड के सभी स्वयं सहायता समूह की सदस्यों की स्वघोषित आय को अपलोड करने की समीक्षा करना एवं मनरेगा में सम्मिलित निजी एवं सामूहिक आजीविका संवर्धन योजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा करना होगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

रिजल्ट बताएगा मैनपुरी में सपा कितनी मजबूत

मैनपुरी की जनता से नेताजी का सीधा-सीधा लगाव रहा है। नेताजी की शुरुआत और राजनीति के क्षेत्र में संघर्ष यहीं मैनपुरी में यहां की जनता के साथ रहा। आज जब नेताजी हमारे बीच में नहीं हैं तो अखिलेश ने अपील की कि उनके बताए हुए रास्ते पर हम सब चलें। जिस राजनीतिक, सामाजिक सम्मान के साथ नेताजी ने आर्थिक लड़ाई लड़ी है उसे आगे बढ़ाने का काम सपा करेगी। डिंपल यहां से प्रत्याशी हैं और मुझे पूरा भरोसा है कि यहां की जनता एक बार फिर नेताजी के नाम पर उन्हें ऐतिहासिक वोटों से जिताएगी।

मैनपुरी लोकसभा सीट पर 5 दिसम्बर को उपचुनाव है। इस उपचुनाव के लिए डिंपल यादव ने नामांकन दाखिल कर दिया है। नामांकन दाखिल करने सोमवार को वे अखिलेश यादव के साथ पहुंची तो स्थानीय लोगों ने नेताजी के नारे लगाए। इससे साफ है कि सपा यह उपचुनाव जीत सकती है। फिलहाल ये तो रिजल्ट बताएगा कि मैनपुरी में सपा कितनी मजबूत है। इस बीच अखिलेश यादव ने कहा कि यह चुनाव ऐसे में होने जा रहा है जब नेताजी (मुलायम सिंह यादव) हमारे बीच नहीं हैं। उन्होंने मैनपुरी की जनता से नेताजी के नाम पर ऐतिहासिक जीत दिलाने की अपील की। वहीं डिंपल यादव ने कहा कि नेताजी का आशीर्वाद हमेशा मेरे साथ है। डिंपल के नामांकन में शिवपाल सिंह यादव नहीं पहुंचे तो सवाल जरूर खड़े हुए। हालांकि अखिलेश ने कहा कि पूरा परिवार साथ है। नामांकन से पहले डिंपल और अखिलेश ने सैफई में मुलायम सिंह यादव के समाधि स्थल पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी और आशीर्वाद लिया। वहीं कलेक्ट्रेट में डिंपल यादव ने चाचा रामगोपाल यादव के पैर छूकर आशीर्वाद भी लिए। अखिलेश यादव ने कहा कि मैनपुरी की जनता से नेताजी का सीधा-सीधा लगाव रहा है। नेताजी की शुरुआत और राजनीति के क्षेत्र में संघर्ष यहीं मैनपुरी में यहां की जनता के साथ रहा। आज जब नेताजी हमारे बीच में नहीं हैं मैं मैनपुरी की जनता से यही अपील करना चाहता हूं कि नेताजी के बताए हुए रास्ते पर हम सब चलें। जिस राजनीतिक, सामाजिक सम्मान के साथ नेताजी ने आर्थिक लड़ाई लड़ी है उसे आगे बढ़ाने का काम समाजवादी पार्टी करेगी। डिंपल यादव यहां से प्रत्याशी हैं और मुझे पूरा भरोसा है कि यहां की जनता एक बार फिर नेताजी के नाम पर उन्हें ऐतिहासिक वोटों से जिताएगी।

डिंपल यादव ने कहा कि मैनपुरी ने नेताजी को और नेताजी ने मैनपुरी को पहचान दी। नेताजी का आशीर्वाद हमेशा मेरे साथ रहा है। मुझे उम्मीद है कि मैनपुरी की जनता का आशीर्वाद भी समाजवादी पार्टी के साथ रहेगा, आने वाले दिनों में। उन्होंने दावा किया कि पूरा परिवार साथ है और आने वाले दिनों में सब मिलकर चुनाव प्रचार करेंगे। बता दें कि शिवपाल सिंह यादव लखनऊ में है। वह डिंपल के नामांकन के लिए मैनपुरी नहीं गए। अखिलेश यादव ने कहा, आप मैनपुरी के हैं...। उन्होंने कहा कि तेजप्रताप बगल में बैठे हैं, आपको उन्हीं से पूछना चाहिए। इस पर अखिलेश के साथ-साथ तेजप्रताप भी मुस्करा दिए। इसके बाद मुस्कराहट ने कई सवाल खड़े कर दिए आखिर शिवपाल क्या अखिलेश से किनारा कर बैठे हैं। फिलहाल ये तो आने वाले कुछ महीनों में पता चलेगा कि सपा का परिवार एक हैं या नहीं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

ध्यान रहे, ऊपर उठ रहा है हिमालय

अतीन्द्र के शुक्ला

नेपाल, चीन और भारत में आए भूकंप के झटके अस्वाभाविक नहीं थे। इसका केंद्र नेपाल का मणिपुर था और भूगोल के हिसाब से इंडियन टेक्टोनिट प्लेट पूर्व से पश्चिम तक फैला है, जिसमें हमारा पूर्वोत्तर का इलाका, हिंदुकुश, अफगानिस्तान, पाकिस्तान के कुछ भाग आदि आते हैं। यहां इंडियन प्लेट अपने से कहीं भारी यूरेशियन प्लेट के भीतर समा रही है या टकरा रही है, जिससे न सिर्फ हिमालय ऊपर की ओर उठ रहा है, बल्कि यह पूरा इलाका ही भूकंप के लिहाज से काफी संवेदनशील बन जाता है। फिलहाल 6.3 परिमाप का भूकंप आया है, पर पूर्व में इससे भी अधिक 'मैग्निट्यूड' के कंपन यहां आ चुके हैं। नेपाल का 1934 का भूकंप इसका दर्दनाक उदाहरण है। हिमालय के आस-पास भूकंप का आना बेशक चौंकाने वाली बात न हो, लेकिन ऐसी प्राकृतिक परिघटना को गंभीरता से लेना चाहिए। चूंकि हिमालय का फैलाव काफी दूर तक है, इसलिए यहां हल्की सी भी उथल-पुथल हमें बड़ी चोट दे सकती है। इसकी प्रकृति को देखते हुए ही यहां आठ या इससे भी अधिक तीव्रता के भूकंप की आशंका जाहिर की जा चुकी है। अगर ऐसा होता है, तो नेपाल या सीमावर्ती इलाकों के अलावा दिल्ली या उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में भी तबाही मच सकती है। अगस्त 1988 में बिहार में आए भूकंप को हम अब तक कहां भूल सके हैं?

मुश्किल यह है कि भूकंप का पूर्वानुमान संभव नहीं। चंद हल्की थरथराहटों से बड़े भूकंप की आशंका भी नहीं जाहिर की जा सकती। हां, कुछ तकनीकी और व्यावहारिक उपाय जरूर किए जा सकते हैं। मसलन, एक बेहतर चेतावनी सिस्टम तैयार करना। दरअसल, भूकंप में दो तरह की लहरें पैदा होती हैं- एक 'पी' और दूसरी 'एस'। दोनों में समयांतर होता है। 'पी वेब' अपनी प्रकृति के कारण नुकसान नहीं पहुंचाती, लेकिन 'एस' तुलनात्मक रूप से ज्यादा हानि करती है। जैसे ही दो टेक्टोनिक प्लेट्स आपस में टकराती हैं, तो पहले 'पी' लहर पैदा होती है। मान लीजिए, यदि भूकंप का केंद्र नेपाल है, तो 'पी वेब' को दिल्ली तक पहुंचने में कुछ सेकंड का वक्त लगेगा। इसके बाद ही 'एस वेब' पैदा होगी, जो समान देरी से दिल्ली पहुंचेगी। अगर हमने 'पी वेब' को केंद्र पर ही नाप लिया और इसकी जानकारी तुरंत दिल्ली से साझा कर दी, तो 'एस वेब' की मारकता से बचने के लिए हमारे पास 30 से 50 सेकंड तक का वक्त होगा। इसमें मेट्रो, परमाणु केंद्र, आपात चिकित्सा जैसी अनिवार्य केंद्रों व सेवाओं के लिए बचाव-उपाय किए जा सकते हैं। मैक्सिको जैसे देश ऐसे निगरानी तंत्र से ही अपना बचाव करते हैं। वहां भूकंप से बचने के लिए एजेंसियों

को एक से डेढ़ मिनट का वक्त मिल जाता है। जाहिर है, एशिया में इस तरह का तंत्र बनाने के लिए हिमालय के आस-पास बसे सभी देशों को एक मंच पर आना होगा। इसके साथ-साथ स्थानीय स्तर पर भी कई उपाय किए जा सकते हैं, जो कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। जैसे, घर को भूकंपरोधी बनाना। सच भी यही है कि भूकंप इंसान की जान नहीं लेता, इमारतें लेती हैं। अगर हम इमारतों को तैयार करने में आधुनिक व उन्नत तकनीक का इस्तेमाल करते हैं, तो बड़ी तीव्रता के भूकंप भी हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकेंगे। मगर दिक्कत यह है कि अपने देश में 'बिल्डिंग कोड' होने के बावजूद शायद ही घर-निर्माण में इस पर ध्यान दिया जाता है। जाहिर है, कानून लागू करने वाली एजेंसियों की जिम्मेदारी तय करनी होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि नई इमारतें पूरी तरह से बिल्डिंग कोड का पालन करें। भूकंप के लिहाज से भारत में चार जोन- 2, 3, 4 और 5 तय किए गए हैं। इसमें जोन-5 काफी संवेदनशील है, तो जोन-2 अपेक्षाकृत कम। मकानों को तैयार करते वक्त इन पर भी गौर किया जाना चाहिए। शहरों के अनियोजित विस्तार ने भी हमारी चिंताएं बढ़ाई हैं। दिल्ली में ही न जाने कितनी अवैध कॉलोनियां बस चुकी हैं। इनमें रहने वाली सघन आबादी निश्चय ही बारूद के ढेर पर है। चूंकि दिल्ली में 6.3 से भी अधिक तीव्रता का भूकंप आ चुका है और यह जोन-4 का हिस्सा है, इसलिए यह आशंका जताई जाती रही है कि ब?ा भूकंप यहां जान-माल का भारी नुकसान पहुंचा सकता है। सौभाग्य से, ऐसी नौबत अब तक नहीं आई है, लेकिन इस आशंका से पार पाने के उपायों पर हमारे नीति-नियंताओं को जरूर सोचना चाहिए। हम चाहें, तो 'रेट्रोफिटिंग' की तरफ ध्यान दे सकते हैं। अच्छी बात है कि साल 2005 में जो आपदा प्रबंधन अधिनियम बना, उसमें आपदा आने से पहले के बचाव-उपायों पर जोर दिया गया। इसमें जन-जागरूकता बढ़ाने की बात भी कही गई, जबकि इससे पहले की नीतियों में आपदा के बाद के राहत-कार्यों पर जोर दिया जाता रहा था। भूकंप से होने वाले नुकसान को टालने के लिए 'प्री-डिजास्टर मैनेजमेंट' काफी जरूरी है। आइसलैंड जैसे देशों में तो छोटे-छोटे परिमाप वाले भूकंप भी माप लिए जाते हैं, जिस कारण वे कहीं अच्छी तैयारी कर लेते हैं। हम ऐसा तंत्र नहीं बना सकते, लेकिन बचाव के उपायों के प्रति गंभीरता दिखाकर अपना नुकसान काफी कम कर सकते हैं। यह समझना होगा कि भूकंप ऐसी प्राकृतिक आपदा है, जिसे कतई रोका नहीं जा सकता, इसलिए बचाव के उपाय ही विकल्प हैं।

तलवार की धार पर चलता पाकिस्तान

सुशांत सरीन

पाकिस्तान इन दिनों तलवार की धार पर है। हालात क्या करवट लेंगे, कहना बहुत मुश्किल है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान चर्चा के केंद्र में चल रहे हैं। पहली बार इस तरीके से किसी नागरिक नेता ने पाकिस्तान की फौज और रियासत को चुनौती दी है। वर्तमान रियासत और फौज सकते में हैं, उन्हें समझ में नहीं आ रहा है कि इस चुनौती को किस तरह संभाला जाए। पहले यह हुआ करता था कि जैसे ही कोई राजनेता फौज के खिलाफ बातें करता था या फौज को चुनौती देता था, उसे दूध से जैसे मक्खी को फेंका जाता है, वैसे फेंक दिया जाता था। कई बार बिल्कुल रातोंरात फेंक दिया जाता था, तो कई बार घेरे में लेकर खत्म किया जाता था। नवाज शरीफ, बेनजीर भुट्टो इत्यादि नागरिक नेताओं के साथ यही हुआ था। विरोधी नेता कद्दावर न हो, तो पकड़कर सीधे जेल में डाल दिया जाता है। जैसे जावेद हाशिमी नाम के एक नेता थे, उन्होंने फौज के खिलाफ जब कुछ कहा, तो उन्हें 25 साल के लिए जेल में डाल दिया गया था मुशर्रफ के दौर में। ऐसे बहुत से उदाहरण हैं।

पहली बार हुआ है कि इमरान खान पर हाथ डालने से फौज एक प्रकार से डर रही है। फौज को डर है कि इमरान के खिलाफ कोई कड़ा कदम उठाया या उन्हें जेल में डाल दिया, तो कहीं ऐसा उपद्रव न हो जाए कि जिसे फौज संभाल न पाए। उपद्रव केवल सड़कों पर नहीं, ज्यादा बड़ा खौफ यह है कि फौज के अंदर भी दरारें आ गई हैं। इमरान खान ने कहा भी है कि फौज का आला कमान मेरे खिलाफ है, लेकिन फौज के मध्य अफसर हैं, मेरे साथ हैं। जनरल के परिवार भी मेरे हक में हैं। फौज को लग रहा है कि उसके कड़े कदमों से कहीं 'अरब स्प्रींग' या विद्रोह जैसी स्थिति न पैदा हो जाए। उपद्रव हुआ, तो संभालने के लिए गोलियां चलानी पड़ेंगी, इसमें दो समस्याएं हैं। इमरान को खैबर-पख्तुनवा प्रांत से भी समर्थन मिल रहा है, लेकिन सबसे प्रभावी समर्थन पंजाब से आ रहा है। गौर कीजिए, पाकिस्तान में बलूच अगर रियासत के खिलाफ खड़े हों, तो उन्हें गोलियों से भून दिया जाता है। सिंधियों और पख्तूनों को भी मारपीट कर शांत कर दिया जाता है, लेकिन पंजाब में ऐसी ज्यादती करना मुश्किल हो जाता है। इमरान खान के साथ आम लोगों का समर्थन दिख रहा है। उच्च-मध्य वर्ग और मध्यवर्ग का भी समर्थन उन्हें मिल रहा है, इन वर्गों के लोग फौज में हैं, नौकरशाही में हैं, इंजीनियर, डॉक्टर, कारोबारी हैं। अपने ही लोगों पर गोली चलाना या जेल में डाल देना बहुत मुश्किल काम है। इससे उपद्रव की स्थिति और गंभीर हो सकती है। यह आशंका लगातार कायम है कि फौज तख्ता पलट दे, खुद देश की कमान संभाल ले। अभी फौज के जो प्रमुख हैं, वह छह साल से कमान संभाले हुए हैं। वह 29 नवंबर को रिटायर हो रहे हैं। पाकिस्तान में अब अगर फौज तख्ता पलटे, तो कोई एक डिक्टेटर या तानाशाह नहीं होगा। एक शब्द प्रचलित है जुंटा, वास्तव में हुंटा शब्द सही है। इस हुंटा में पांच-छह वरिष्ठ जनरल होंगे, जो सत्ता चलाएंगे। इसमें अपनी दुश्वारियां हैं, शासन चलाना आसान नहीं होगा। अब पाकिस्तान में कोई एक जनरल भी सत्ता संभाल ले, तो उसके लिए संभालना मुश्किल होगा। अभी फौज की स्थिति पाकिस्तान में बहुत घूमिल हो गई है। पहले जब तख्ता पलटा जाता था, तब चुनी हुई सरकार अलोकप्रिय हो गई होती थी और लोग चाहने लगते थे कि फौज सत्ता संभाले। अभी बिना जन-समर्थन के फौज के लिए भी सत्ता संभालना मुश्किल होगा।

पाकिस्तान में एक और बड़ी बात हो रही है कि वहां की अर्थव्यवस्था घुटनों पर आ गई है। अगर दुनिया से कर्ज नहीं मिले, तो वहां श्रीलंका से भी बुरे हालात हो जाएंगे। इसके साथ ही तालिबान की वापसी के बाद से आतंकवाद फिर सर उठा रहा है। इसके अलावा बाढ़ ने भी एक बड़ी आबादी व अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाया है। अनेक समस्याएं साथ-साथ चल रही हैं। इमरान खान के लिए समस्या यह है कि फौज का नेतृत्व इमरान के पक्ष में नहीं हैं। इमरान की वजह से फौज में दरारें पड़ी हैं, समाज में भी मतभेद बढ़ा है। पाकिस्तान के हालात नाजुक हो गए हैं। पाकिस्तान को बाहर से मदद की जरूरत है। इमरान खान ने जिस तरह से विदेश नीति का संचालन किया है, उन्हें मदद कहीं से नहीं मिलेगी। चीन या सऊदी अरब से भी ज्यादा मदद नहीं मिल रही है। लगे हाथ, इमरान खान ने यह भी बयान दे दिया था कि उनको सत्ता से हटाने में अमेरिका का हाथ है। आर्थिक मदद के बिना पाकिस्तानी रियासत का सोमालिया या श्रीलंका से भी बुरा हाल हो सकता है। फौज किसी भी सूरत में इमरान को आने देना नहीं चाहती, इमरान खान भी इस बात को मान गए हैं। अत- उनकी मांग अब यह है कि चुनाव हो जाएं। समस्या यह है कि चुनाव के लिए अर्थव्यवस्था में भी मूलभूत सुधार या स्थिरता जरूरी है। लोगों के हालात बद से बदतर हो गए हैं। अभी जो उपचुनाव हुए हैं, वो संकेत करते हैं कि वर्तमान सरकार से लोगों का विश्वास घटा है और लोग इमरान की ओर मुड़े हैं। अभी चुनाव होते हैं, तो इमरान जीत सकते हैं, लेकिन फौज यह नहीं चाहती है। वर्तमान संसद का कार्यकाल अगले साल अगस्त तक है और उसके बाद कार्यवाहक सरकार आएगी, जो चुनाव कराएगी। पाकिस्तान में चुनाव अक्टूबर-नवंबर से पहले नहीं होंगे। इमरान चाहते हैं दो-तीन महीने में चुनाव हो जाएं। अब इमरान जो मार्च लेकर आ रहे हैं, वह अगर सफल न हुआ, तो सरकार हावी हो जाएगी। एक संभावना यह भी है, इमरान खान के मार्च में पचास-साठ लाख लोग आ जाएं, इस तरह के हालात बन जाएं, तो हिंसा की आशंका भी बढ़ जाएगी।

सर्दियों में त्वचा को पोषण देने के साथ ही खूबसूरत बनाता है बादाम का तेल

विटामिन ई से भरपूर होता है बादाम का तेल जो त्वचा के रूखेपन को कम करता है

सर्दियों में त्वचा केवल रूखी ही नहीं होती बल्कि डल और बेजान भी दिखने लगती है। लगातार मॉइश्चराइजर लगाने से स्किन टैन भी हो जाती है। क्योंकि उस पर धूल चिपक जाती है। सर्दियों में इसलिए त्वचा का ज्यादा ख्याल रखना पड़ता है। त्वचा का ख्याल रखने के लिए विटामिन ई से भरपूर बादाम के तेल का इस्तेमाल किया जा सकता है। ये सर्दियों में त्वचा को पोषण देने के साथ ही खूबसूरत बनाता है। तो चलिए जानें कैसे करें बादाम के तेल का इस्तेमाल।

फेसपैक में मिलाएं

बादाम के तेल को आप सर्दियों के मौसम में फेसपैक में भी मिलाकर लगा सकती है। बस एक चम्मच बेसन और एक चुटकी हल्दी को शहद में डालकर मिलाएं। इस फेसपैक में दो से तीन बूंद बादाम के तेल की डालें और मिक्स करें। इस फेसपैक को लगाने से बादाम के तेल का पोषण भी त्वचा को आसानी से मिल जाएगा।

रात में लगाएं

अगर आपको दिनभर वक्त नहीं मिलता है तो बादाम के तेल को नाइट स्किन केयर रूटीन में शामिल करें। रात को सोने से पहले चेहरे को अच्छी तरह से फेसवॉश से साफ करने के बाद बादाम के तेल की दो से तीन बूंद लेकर हल्के हाथों से मसाज करें। फिर इसे रातभर के लिए छोड़ दें। अगर आपकी त्वचा ऑयली है तो करीब आधे घंटे बाद ही चेहरे को धो लें।

मॉइश्चराइजर में शामिल करें

बादाम का तेल त्वचा के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसे आप अपने मॉइश्चराइजर में भी मिला कर लगा सकती हैं। बस बादाम के तेल की दो से तीन बूंद को मॉइश्चराइजर में मिलाएं और चेहरे से लेकर गर्दन तक लगा लें। अगर चेहरे पर ज्यादा ऑयल नजर आने लगा है तो टिश्यू पेपर की मदद से हल्के हाथों से अतिरिक्त ऑयल को पोंछ लें।

पिंपल हो गया तो ऐसे करें इस्तेमाल

चेहरे पर अगर रूखेपन के साथ ही पिंपल हो रहे हैं तो बादाम के तेल को लगाया जा सकता है। बादाम के तेल की कुछ बूंदों को नीम के तेल में मिलाएं और फिर इसे चेहरे पर लगाएं। हल्के हाथों से मसाज करने के बाद इसे करीब आधे घंटे के लिए छोड़ दें। फिर चेहरे को पानी से साफ कर पोंछ लें। बादाम के तेल को नीम के तेल के साथ मिलाने से पिंपल की समस्या कम होती है।

हंसना मना है

पिता- पढ़ ले नालायक, कभी तूने अपनी कोई बुक खोलकर भी देखी है. बेटा- हां पापा देखी है, बल्कि रोज देखता हूं उसे. पिता- कौन सी बुक पढ़ने लगा है तू? बेटा- फेसबुक.

गोलू- रात भर मुझे नींद नहीं आई. मोलू- क्यों? गोलू- रात भर मैंने सपने में देखा कि मैं जाग रहा हूं.

राजू पहा?ें पर पैराशूट बेच रहा था ग्राहक- अगर पैराशूट नहीं खुला तो? राजू- तो आपके पूरे पैसे वापिस

पति - तुम मुझे दो ऐसी बातें बोलो, जिनमें से एक को सुनकर मैं खुश हो जाऊं और दूसरी को सुनकर नाराज हो जाऊं पत्नी - तुम मेरी जिंदगी हो और दूसरी बात लानत है ऐसी जिंदगी पर

बच्चा- पापा, हमारे प?ोसी बहुत गरीब और लालची हैं. पापा- तुम्हें कैसे पता?बच्चा- उनके बेटे ने एक रुपये का सिक्का निगल लिया है और उसकी मां का रो-रोकर बुरा हाल है.

चोलू- क्या हुआ क्यों उदास बैठे हो? टोलू- कल एक न्यूज चैनल के एंकर ने कहा था आइए हम आपको गोवा लेकर चलते हैं. तभी से तैयार बैठा हूं ,कोई आया ही नहीं.

कहानी — भला असन्तोष से क्या लाभ

एक शेर बहुत दु:खी हो उठा और एक दिन वह ब्रह्माजी के सामने जा पहुंचा और लगा गिड़-गिड़ाने। भगवान! मेरे शरीर में बल, पराक्रम, साहस और मजबूत हैं कि उनकी बदौलत में जंगल का राजा बना फिरता हूँ। फिर भी एक मुर्गे की आवाज सुनते ही डर जाता हूँ-मेरे लिए शर्म की बात नहीं। प्रभु आपने मुझे पैदा करते समय मेरे पीछे कौन-सी बला लगा दी? ब्रह्माजी ने शेर को समझाया-बेटा! यह कौन-सा असंतोष ले बैठे? भला इससे कौन सा लाभ उठा लोगे? जो संसार में पैदा होता है। वह किसी न किसी बात में कम रहता है और उससे लाभ भी उठाता है। जाओ, यह असंतोष छोड़ो और आनन्द से अपना समय बिताओ। ब्रह्माजी के इस प्रकार समझाने पर भी शेर को संतोष नहीं हुआ। वह मन में जलता-भुनता और ब्रह्माजी को कोस्टा हुआ वन की ओर लौटा। मार्ग में क्या देखता है कि सामने में एक लम्बा चौड़ा भारी भरकम हाथी अपने कान बराबर हिलाता चला आ रहा है। सूप जैसे बड़ा-बड़ा कान। शेर ने हाथी से पूछा क्यों भाई! अपने सूप जैसे बड़े-बड़े कान लगातार हिलाते हुए चल रहे हो? हाथी ने पैर आगे बढ़ाते-बढ़ाते उत्तर दिया-तुम इतना भी नहीं जानते? इन भन-भन करते हुए मच्छरों से बहुत डरता हूँ। यदि इनमें से एक भी मच्छर मेरे कान में घुस जाए तो मैं बैचैन हो जाऊं तड़प-तपड़ कर मर जाऊं। यह सुनते ही शेर को संतोष हो गया उसने अपने आप को कहा-भला मेरे दु:खी होने का कोई कारण नहीं है। जब इतना बड़ा हाथी इतने छोटे मच्छर से रात दिन डरता है तब मैं मच्छर की अपेक्षा बहुत बड़े मुर्गे की आवाज से कांप उठता हूँ तो यह कौन सी अचरज की बात है।

11 अंतर खोजें

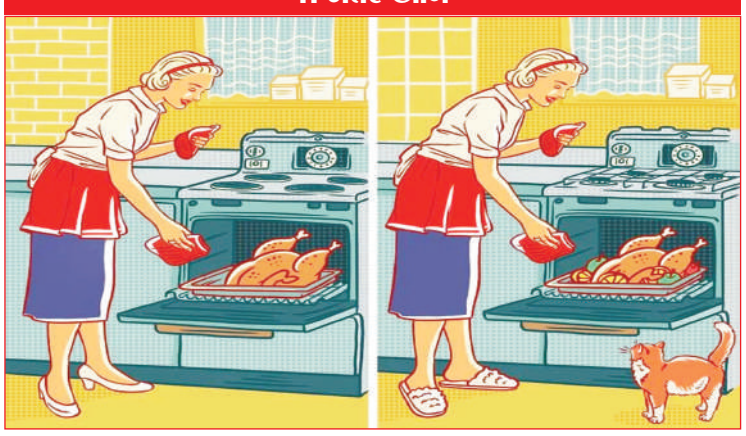

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज का दिन ऐसे काम करने के लिए बेहतरीन है, जिन्हें करके आप खुद के बारे में अच्छा महसूस करते हैं। वे निवेश-योजनाएँ जो आपको आकर्षित कर रहीं हैं।

वृषभ

आज का दिन आपके लिए बेहतरीन पल लेकर आयेगा। व्यापारी वर्ग को आज धन लाभ हो सकता है। इंजीनियर्स के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है।

मिथुन

आज कार्यक्षेत्र में शत्रुओं की बाधा बानी रहेगी, शत्रु सिर उठायेंगे। वाद-विवाद में व्यर्थ समय बीतेगा। काम के लिए मौके परिचित महिलाओं की ओर से आ सकते हैं।

कर्क

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीजों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। आकस्मिक मुनाफे या सट्टेबाजी के जरिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे।

सिंह

आज आप किसी मित्र के साथ कहीं घूमने-फिरने का प्लान बना सकते हैं। आज किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करके आपको काफी अच्छा महसूस होगा।

कन्या

कानून से संबंधित मामलों में फैसला आपके पक्ष में होगा। इनकम के क्षेत्र में लगातार वृद्धि होगी आपको अचानक भारी धन लाभ होने के योग नजर आ रहे हैं।

तुला

आपकी समस्याएँ आज आपके मानसिक सुख को नष्ट कर सकती हैं। आपको कई स्रोतों से आर्थिक लाभ होगा। पारिवारिक तनावों की वजह से मानसिक दबाव में इजाफा होगी

वृश्चिक

आज का दिन सामान्य रहेगा। ऑफिस के काम को पूरा करने में थोड़ी अड़चने आ सकती है, किसी सहकर्मी की मदद से परेशानियां दूर हो जाएंगी। आज पार्टी का आयोजन हो सकता है।

धनु

आज आपको नौकरी के क्षेत्र में भी आपको फायदा हो सकता है। आपके द्वारा किए गए निवेश में आपको लाभ प्राप्त होगा। यह मंगलवार आपके लिए आनंद दायक रहेगा।

मकर

योग और ध्यान आपको बेडौल होने से बचाने और मानसिक तौर पर सेहतमंद रखने में मददगार साबित होंगे। अगर ज्यादा खुले दिल से पैसे खर्च किए तो आपको आर्थिक समस्या हो सकती है।

कुम्भ

आज किस्मत आपका भरपूर साथ देगी। इस राशि के बिजनेसमैन के लिए आज का दिन अधिक फायदा देने वाला है। नया व्यापार शुरू करने की सोच रहे हैं, तो अपने जीवनसाथी की राय लें।

मीन

आज आपका व्यवहार लोगों पर काफी गहरा असर छोड़ सकता है। वैवाहिक जीवन में खुशियां बनी रहेगी। अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को खुशनुमा बना देगा।

बॉलीवुड | मसाला

बिग बॉस-16 में जल्द ही बोल्डनेस का तड़का लगायेंगी सनी लियोनी

सनी लियोनी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं रह गई हैं। वह जब भी कैमरे के सामने आती हैं, लोग बस उन्हें देखते रह जाते हैं। सनी की खूबसूरती और बोल्डनेस के चर्चे दुनियाभर में हैं। बेशक सनी अपनी फिल्मों से इंडस्ट्री में कोई खास मुकाम हासिल न किया हो, लेकिन उन्होंने हमेशा ही अपने डांसिंग स्टाइल और बोल्ड लुक्स से लोगों का ध्यान जरूर खींचा है। दुनियाभर के फैंस उनकी एक झलक के लिए बेताब रहते हैं।

ऐसे में सनी भी कभी अपने चाहने वालों को निराश नहीं करतीं। वह सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। लगभग हर दिन फैंस को उनका नया लुक देखने को मिल जाता है। इतना ही नहीं, उनके पोस्ट देखते ही देखते सोशल मीडिया पर धमाल मचा देते हैं। बता दें कि, सनी जल्द ही 'Bigg Boss-16 में मस्ती करने रही हैं। इसी बीच अब एक्ट्रेस का नया लुक चर्चा में है। उनका लेटेस्ट फोटोशूट तेजी से इंस्टाग्राम पर वायरल हो रहा है। ताजा तस्वीरों में सनी को ब्लैक एंड व्हाइट शर्ट और शॉर्ट्स पहने देखा जा सकता है। इसके साथ उन्होंने ब्लैक ब्रालेट कैरी की हैं। लुक को कंप्लीट करने के लिए सनी ने न्यूड मेकअप किया है और बालों को ओपन रखा है। साथ ही यहां उन्होंने कानों में मैचिंग इयररिंग्स पेयर की हैं। इस लुक में वाकई सनी काफी ग्लैमरस और सिजलिंग लग रही हैं।

अपने इस नए लुक को फ्लॉन्ट करती हुई सनी कैमरे के सामने अलग-अलग अदाएं दिखा रही हैं। अब फैंस के बीच भी उनके इस लुक को काफी पसंद किया जा रहा है। कुछ मिनटों में ही सनी की फोटोज पर लाखों लाइक्स आ चुके हैं।

सनी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही अर्जुन रामपाल की अगली फिल्म द बैटल ऑफ भीमा कोरोगांव में नजर आएंगी। खैर, सनी अब तक कई टीवी रियलिटी शोज, आइटम सॉन्ग, म्यूजिक वीडियोज और बॉलीवुड मूवीज में काम कर चुकी हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

एक वक्त ऐसा था जब मुझे सलमान का भाई कह कर जाना जाता था : अरबाज

अरबाज खान एक्टर, होस्ट, प्रोड्यूसर और डायरेक्टर हैं। पर एक्टिंग करियर में वे खास मुकाम हासिल नहीं कर पाए। न ही अरबाज और न ही सोहेल खान, दोनों भाई स्टारडम के मामले में सलमान खान की बराबरी नहीं कर पाएं। आज अरबाज खान की खुद की पहचान है। पर एक वक्त ऐसा था जब अरबाज खान को सलमान खान का भाई कहकर बुलाया जाता था। इतना ही नहीं उन्हें मलाइका अरोड़ा का पति कहकर भी एड्रेस किया जाता था। एक इंटरव्यू में अरबाज खान ने इस पर बात की। उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ के अलावा प्रोफेशनल फेलियर्स पर पक्ष रखा। अरबाज ने बताया उनकी लाइफ में एक वक्त ऐसा था जब उन्हें सलमान खान का भाई और मलाइका अरोड़ा का पति कहा जाता था और इस टैग से उन्हें दिक्कत होती थी। अरबाज खान ने कहा- एक वक्त था जब मैं थोड़ा कॉन्शस और परेशान रहता था इसे लेकर। अब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो मालूम पड़ता है इसका कोई मतलब नहीं था। एक वक्त था जब मुझे सलीम खान का बेटा, सलमान खान का भाई या मलाइका अरोड़ा का पति कहकर एड्रेस किया जाता था। तब मुझे इससे परेशानी होती थी। लेकिन कुछ चीजें होती हैं जिन्हें आप बदल नहीं सकते। लोगों का माइंडसेट बदलने का कोई मतलब नहीं है। आपको बस इतना करना है कि खुद पर संयम रखें। मैंने इस चीज को महसूस किया है कि मुझे किसी को कुछ भी साबित करने की जरूरत नहीं है। लोगों को कुछ साबित करने वाली चीज काफी थकाऊ है। आप इसे कब तक करोगे? कितना करोगे? क्या आप कभी लोगों को संतुष्ट कर पाओगे?

'ऊंचाई' के कलेक्शन में जबरदस्त उछाल

अमिताभ बच्चन, अनुपम खेर और बोमन ईरानी की फिल्म 'ऊंचाई' को समीक्षकों के बाद अब दर्शकों से भी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। सिनेमाघरों में इसके कलेक्शन ने सभी को चौंका दिया है। फिल्म को रिलीज हुए तीन दिन हो चुके हैं। वीकेंड की छुट्टी का फिल्म को फायदा मिला और कलेक्शन में भारी उछाल आया है। 'ऊंचाई' सीमित स्क्रीन्स पर रिलीज हुई है। 'द कश्मीर फाइल्स' के बाद यह दूसरी फिल्म है जिसके कलेक्शन में दूसरे दिन 100 फीसदी से ज्यादा का ग्रोथ देखा गया।

सूरज बड़जात्या के निर्देशन की फिल्म ने शुक्रवार को 1.81 करोड़ और शनिवार को 3.64 करोड़ रुपये कमाए। वेबसाइट Sacnilk के मुताबिक, रविवार को फिल्म का कलेक्शन 5.05 करोड़ रुपये रहा। यह शुरुआती आंकडा है। कुल मिलाकर फिल्म ने अभी तक 10.50 करोड़ का बिजनेस किया। फिल्म को लगभग 500 स्क्रीन्स पर रिलीज किया गया है। इसकी सफलता अब माउथ पब्लिसिटी पर निर्भर है। हालांकि असली परीक्षा वीकडेज में होगी। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने ट्वीट कर बताया कि 'ऊंचाई' ने दूसरे दिन रिकॉर्ड ग्रोथ किया। 'द कश्मीर फाइल्स' के कलेक्शन में दूसरे दिन 139.44 फीसदी का उछाल आया था।

दुनिया का सबसे विचित्र चोर जो पिछले एक दशक से चोरी कर रहा महिलाओं की ये खास चीज

आपने अक्सर चोरी की तमाम घटनाओं के बारे में सुना और पढ़ा होगा। जिनमें चोर ने कीमती सामान जैसे सोने-चांदी के जेवर, कार, बाइक, रुपये जैसी चीजों की चोरी की होगी। लेकिन आज हम आपको दुनिया के एक ऐसे चोर के बारे में बताने जा रहे हैं जो सबसे अलग चीजों की चोरी करता है। क्योंकि ये चोर महिलाओं की एक खास वस्तु की चोरी करता है। यही नहीं वह पिछले एक दशक से ज्यादा से महिलाओं की इस चीज की चोर करता आ रहा है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं जापान के एक चोर के बारे में। जिसने चोरी कर महिलाओं की इस खास चीज का ढेर लगा लिया। पुलिस को इस चोर की काफी दिनों से तलाश थी आखिरकार इस साल पुलिस ने इस चोर को गिरफ्तार कर लिया। ऑडिट सेंट्रल' वेबसाइट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 51 साल के योशिदो योदा नाम का एक शख्स को जापान के ओसाका से पुलिस ने गिरफ्तार किया। योशिदा पिछले 13 सालों से महिलाओं के रेनकोट की चुरी कर रहा था। इसी अपराध में पुलिस ने उसे गिरफ्तार भी किया है। वह छुप-छुप कर अपराध करता था और 10 साल से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। गिरफ्तारी करने तक पुलिस ने उसका नाम 'रेनकोट मैन' रखा था। जापान की मीडिया में आई खबरों के मुताबिक, योशिदो घर-घर जाकर अखबार के वितरक के तौर पर काम कर रहा था। एक दिन अचानक उसने कप्पा इकट्ठा करने का सोचा। कप्पा एक प्रकार का जापानी कपड़ा होता है जिसे प्लास्टिक से बनाया जाता है जिसे कपड़ों के ऊपर पहना जाता है ताकि कपड़ों को गीला होने से बचाया जा सके। पुलिस के मुताबिक, योशिदो 2009 से रेनकोट चुरा रहा था। उसके घर की तलाशी ली गई तो पुलिस ने घर से 360 रेनकोट जब्त किए। इनमें से करीब 320 रेनकोट पिछले 10 साल में चोरी हो गए। जब पुलिस ने योशिदो को गिरफ्तार किया तो उससे चोरी करने की वजह और तरीकों के बारे में पूछा गया। पुलिस ने कहा, 'योशिदो अक्सर उन महिलाओं का पीछा करता था जो साइकिल चला रही थीं या साइकिल या बाइक की तलाश में थीं जिनका इस्तेमाल महिलाएं करती थीं। फिर वह उसमें पड़ी वस्तुओं पर नजर रखता था। अगर उसे उसमें रेनकोट दिखाई देता तो वह उसे चुरा लेता। जब पुलिस ने उससे पूछा कि उसने रेनकोट क्यों चुराए, तो उसने कहा, 'जैसे अन्य पुरुष महिलाओं को अंडरगारमेंट्स में देखकर आकर्षित होते हैं, वैसे ही मैं चोरी करता था। उन्हें इसलिए क्योंकि मैं महिलाओं को रेनकोट पहने देखना पसंद करता हूं। पुलिस के मुताबिक, उसने अब तक 6 लाख रुपये से ज्यादा कीमत के रेनकोट चोरी किए।

अजब-गजब | यहां निभाई जाती है ये अनोखी प्रथा

जुड़वा बच्चों की मौत के बाद भी माता-पिता करते हैं परवरिश

दुनियाभर में आज भी कई जनजातियां मौजूद हैं जो सामान्य लोगों की तुलना में सदियों से चले आ रहे अपने रीति-रिवाजों को आज भी कायम किए हुए हैं। आज हम आपको पश्चिम अफ्रीकी देश बेनिन में पाई जाने वाली फॉन जनजाति के बारे में बताने जा रहे हैं जहां के लोग अपने जुड़वां बच्चों की मौत के होने की बाद भी उनकी परवरिश करते हैं। इस जनजाति में अगर जुड़वां बच्चे जन्म के बाद जिंदा न रहें तो लकड़ी का पुतला बनाकर उनकी परवरिश की जाती है। यह परवरिश जुड़वां बच्चों की मौत होने पर इनके स्थान पर गुड्डे-गुड़ियां यानी डॉल्स बना की जाती। यह परंपरा सिर्फ जुड़वां बच्चों के मरने पर ही निभाई जाती है।

बता दें कि फॉन जुड़वा बच्चों की मौत होने के बाद उनकी डॉल्स बना लेते हैं उसके बाद अपने जिंदा रहने तक इन डॉल्स का पालन-पोषण जिंदा बच्चों की तरह ही करते हैं। वो रोजाना डॉल्स को नहलाते हैं, खाना खिलाना हैं, कपड़े पहनाते हैं और बिस्तर में सुलाते हैं। ये उनकी रोजमर्रा की जिंदगी बन जाती है। यही नहीं ये डॉल्स को हर रोज स्कूल भी भेजते हैं। कुछ साल पहले फ्रेंच फोटोग्राफर एरिक लैफार्ग ने फॉन जनजाति के जीवन और उनकी परंपराओं पर आधारित एक डॉक्युमेंट्री फिल्म बनाई थी। तब एरिक ने बताया था कि इस जनजाति की मान्यता है कि यदि ऐसा न किया जाए तो बच्चों की आत्मा भटकती रहती है और परिवार वालों को तकलीफ देती हैं। वहीं अगर उनके पुतले बनाकर बच्चों की तरह देखभाल की जाए तो वे परिवार में सुख-समृद्धि लेकर आते हैं। इस जनजाति के लोग वूदू धर्म को मानने वाले हैं। गुड्डे-गुड़ियों के रूप में बनवाए गए इन बच्चों को मां अपने सीने से ठीक उसी तरह चिपकाकर रखती है, जैसे जिंदा बच्चे को गोद में रखती है।

एरिक के मुताबिक, बच्चों की मां इन गुड्डे गुड़ियों को रोज नहलाती है। उन्हें खाना खिलाती हैं और रात होने पर उनके लिए खास तौर पर बनाए गए बिस्तर पर उन्हें थपकी देकर सुलाती है। यहां तक कि उन्हें स्कूल में पढ़ने भी भेजा जाता है। फॉन जनजाति के लोग हर दिन डॉल्स को झूला झुलाते हैं, खाना खिलाते हैं और साफ- सुथरा करते हैं। डॉल्स को हर दिन बिस्तर पर लिटाया जाता है। इस सबके पीछे यही कोशिश होती है कि मृत बच्चों की आत्माएं नाराज न हो जाएं। उनका मानना ये है कि अगर ये नाराज हुए तो परिवार को श्राप दे देंगे। अगर माता-पिता कहीं लंबी यात्रा पर जा रहे हैं। इस दौरान इन पुतलों की देखरेख संभव ना हो तो ये लोग इन्हें गांव में खासतौर पर बनाए गए झूलाघर में छोड़कर जाते हैं। इस झूलाघर में गांव के किसी बुजुर्ग को केयरटेकर के रूप में नियुक्त किया जाता है, जो इन पुतलों का मां-बाप की तरह ही ख्याल रखता है। पैरेंट्स यात्रा से वापस आकर इन बच्चों को घर ले जाते हैं। बता दें कि बेनिन के आदिवासी वूदू धर्म को मानते हैं। यहां जुड़वां बच्चों की संख्या अधिक होती है। यहां हर 20 में से एक बच्चा जुड़वा पैदा होता है। जुड़वां बच्चों का पालन पोषण भी काफी कठिन होता है। अक्सर इनकी मौत हो जाती है। इसके बाद फॉन जनजाति के लोग अपनी परंपरा के अनुसार बच्चों के डॉल्स बनाकर इनका पालन-पोषण करते हैं।

यह नेताजी के सिद्धांतों का चुनाव, डिंपल को दिलाएं ऐतिहासिक जीत : अखिलेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी में डिंपल यादव के चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि नेताजी (मुलायम सिंह यादव) की कमी हमेशा रहेगी। उन्होंने न जाने कितने लोगों का जीवन बदला है। जो सिद्धांत समाजवादियों को नेताजी ने दिए हैं, मैनपुरी की जनता उस बात को समझती है कि ये उनके सिद्धांतों का ही चुनाव है। उन्होंने कहा कि नेताजी हमारे बीच नहीं हैं। कार्यकर्ता मतदान वाले दिन एक-एक वोट से नेताजी को श्रद्धांजलि दें।

सपा प्रत्याशी डिंपल यादव को अभी तक की सबसे बड़ी जीत दिलाएं। अखिलेश ने कहा कि मैनपुरी को हमेशा अपनी कर्मभूमि मानकर ही नेताजी ने काम किया। हमेशा मैनपुरी आने के लिए लालायित रहते थे। उपचुनाव में महिलाओं, युवाओं में सबसे ज्यादा उत्साह है। लोकसभा के आम चुनाव में भीषण गर्मी के बाद भी कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह था, जिसे उपचुनाव में भी बरकरार रखना है। अखिलेश यादव ने कहा कि नेताजी हमेशा नेताओं से ज्यादा सम्मान कार्यकर्ताओं का करते थे। पतारा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की मांग पर पतारा क्षेत्र की बनवाई गई सड़क आज भी गुणवत्ता में कम नहीं है। नेताजी शिलान्यास से पहले उद्घाटन की तारीख तय करा लेते थे। सपा मुखिया ने कहा कि उपचुनाव में नेताओं को मालाएं नहीं पहनाएं। हर कार्यकर्ता अपना चुनाव मानकर चुनाव लड़े। विरोधी दलों के दुष्प्रचार से किसी तरह भ्रमित न हों। नेताजी के बताए रास्ते पर चलकर नेताजी के सपनों को पूरा करना है। अखिलेश ने कहा कि सपा शासन में कराए गए विकास कार्य आज भी अद्वितीय हैं। आगरा लखनऊ एक्सप्रेस बनाने के बाद सुखोई और मिराज विमान एक्सप्रेसवे पर उतारे गए हैं। उन्होंने कहा कि नेताजी को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि उपचुनाव में एतिहासिक जीत कार्यकर्ता दिलाएं। अखिलेश यादव ने कहा कि सोशल मीडिया गुमराह करती है। राजनीति तब अच्छी थी जब सोशल मीडिया नहीं थी।

मैनपुरी सीट पर चल रही सहानुभूति की लहर

मुलायम सिंह के निधन के बाद मैनपुरी में यादव परिवार का ये पहला चुनाव होगा। मुलायम के निधन के कारण इस सीट पर सहानुभूति की लहर भी है। यही वजह है कि मुलायम परिवार से मैनपुरी सीट पर चुनाव लड़ने के दावेदारों में धर्मेंद्र यादव से लेकर तेज प्रताप यादव तक के नामों की चर्चा थी। शिवपाल यादव के खुद के भी चुनाव लड़ने के कयास लगाए जा रहे थे, लेकिन अखिलेश ने राजनीतिक दांव खेला और अपने पिता मुलायम सिंह की सीट से परिवार के किसी दूसरे सदस्य को उपचुनाव लड़ाने के बजाय अपनी पत्नी डिंपल यादव पर को चुनावी मैदान में उतार दिया। ताकि अपने पिता मुलायम सिंह की विरासत उनके ही पास बनी रहे।

2024 में बीजेपी को नहीं मिलेंगी 50 सीट : शफीकुर्रहमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। संभल से सांसद डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क ने 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा को लोकसभा चुनाव में 50 सीटें भी नहीं मिलेंगी। इसके साथ उन्होंने उत्तर प्रदेश में उपचुनाव में भी सपा उम्मीदवारों की जीत का दावा किया।

डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क मुरादाबाद में एक शादी समारोह में शामिल होने आये थे। इस दौरान उन्होंने मीडियाकर्मियों से कहा कि भाजपा को हिन्दुस्तान की जनता ने अब रिजेक्ट कर दिया है। हम बेरोजगार युवकों को रोजगार देंगे। महंगाई आसमान से बातें कर रही है, लोग भूखे मर रहे हैं। हम इसके लिए काम करेंगे, सबसे पहले इसका इंतजाम होगा। अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहने वाले डॉ. बर्क ने इससे पहले मेंगलोर की मलाली मस्जिद को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने शनिवार को कहा कि कोई भी मस्जिद मंदिर नहीं बन सकती। मुसलमान इतना मुर्दा नहीं है, जो मस्जिदों को तुड़वाकर मंदिर बनवा दे।

गुजरात में आप का एजेंडा पहुंचाएगा बीजेपी-कांग्रेस को नुकसान : योगेंद्र

वर्तमान में देश को तोड़ने में तुली हुई है अहंकारी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से जुड़े स्वराज इंडिया के संस्थापक योगेंद्र यादव ने कहा कि मेरी कोई अपेक्षा भी नहीं है कि गुजरात में कांग्रेस कोई चमत्कारिक परिणाम सामने लाए। वहां आम आदमी पार्टी पहुंच गई है। वो सीधे-सीधे कांग्रेस को नुकसान पहुंचा रही है। यही उसका एजेंडा है। ऐसे में संभव है कि बीजेपी पहले से भी बेहतर परिणाम लेकर आए, क्योंकि एंटी बीजेपी वोट टूटेंगे।

तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र के बाद भारत जोड़ो यात्रा का अगला पड़ाव अब मध्यप्रदेश होगा। इससे ठीक 10 दिन पहले योगेंद्र यादव ने यात्रा से जोड़ने के लिए सामाजिक संगठनों की भोपाल में बैठकें की। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस की आलोचना से लेकर साथ में खड़े होने तक के सवालों के जवाब दिए। कहा, मुझे गर्व है कि मैंने 2011 में अन्ना आंदोलन का खुलकर समर्थन किया था, लेकिन मैं उस टीम में नहीं था, क्योंकि जब देश में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठा, तो मैं किनारे पर खड़ा नहीं रह सकता था। मैंने लाठियां भी खाईं और सजा भी भुगतना पड़ी। जब यह यात्रा शुरू हुई तो मेरे मित्रों ने कहा था- कहां फंस रहे हो। तुम तो पैदल चलोगे, लेकिन ये (कांग्रेसी) बीच रास्ते से ही गाड़ियों और हवाई जहाज में उड़ जाएंगे। यह छवि थी। यात्रा शुरू होने से पहले मैंने यह बात राहुल गांधी को बताई थी। तब उन्होंने कहा था कि मेरे साथ एक आदमी भी ना चले, लेकिन मैं यात्रा निकालूंगा।

राजनीति नहीं, अगली पीढ़ी की चिंता : वरुण

देश को आगे बढ़ाने के लिए गांव के गरीब बच्चों को भी सम्मान मिले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सांसद वरुण गांधी ने पीलीभीत में कहा कि उन्हें राजनीति की नहीं, अगली पीढ़ी की चिंता है। इसीलिए वह एक परिवार की तरह लोगों के बीच में रहते हैं और और उनके सुख-दुख में हमेशा साथ देते हैं। कोई भी देश शिक्षा के रास्ते पर चल कर ही आगे बढ़ता है, यदि देश को अगले पायदान तक ले जाना है, तो उसके लिए शिक्षा को बढ़ावा देना होगा। इसीलिए वह सांसद निधि से भी शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर काम कर रहे हैं।

पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी ने कंपोजिट विद्यालय, बिथरा में सांसद निधि से मुहैया कराए गए फर्नीचर के लोकार्पण के दौरान ये बात कही. कार्यक्रम में मौजूद पढ़ने वाले बच्चों के भविष्य को लेकर सांसद खुलकर बोले. वरुण गांधी ने कहा कि यहां जो छोटे बच्चे बैठे हैं, वह सिर्फ बच्चे नहीं बल्कि यह देश का भविष्य बैठा है, जैसे मैं अपनी बेटी के लिए बड़े सपने देखता हूं, वैसे ही मैं यहां बैठे बेटी और बेटों के लिए भी सपने देखता हूं। सांसद ने कहा कि किसी के पास साधन की कमी है, तो उस वजह से किसी के सपने मर जाए या अधूरे रह जाएं, मैं नहीं चाहता हूं। मेरी ख्वाहिश है कि जब छोटी बच्चियां बड़ी हों, तो मां-बाप सिर्फ शादियों के बारे में ही न सोचें बल्कि वह अपने बच्चों की प्रतिभा को समझें, उन्हें उनके बड़े सपने पूरे करने में सहयोग दें, ताकि वह भी इंदिरा गांधी, पीटी उषा, कल्पना चावला जैसे महान लोगों की तरह बड़ा बनकर अपना व अपने देश का नाम रोशन करें। बोले कि देश को आगे बढ़ाने के लिए गांव के गरीब बच्चों को भी उतना ही सम्मान देना होगा, जितना पैसे वालों के बच्चों को महत्व दिया जाता है।

सांसद का खमरिया पुल पर कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। सांसद ने कार्यक्रम में मौजूद अध्यापक-अध्यापिकाओं को जिम्मेदारी देते हुए कहा कि एक आदत बच्चों में जरूर डाल दीजिए। वह है पौधारोपण की आदत, फलदार पेड़ लगाने की आदत और एक ऐसी सीख जो बच्चों को हमेशा सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करे। बोले कि वह चाहते हैं कि बिथरा को इस नए आंदोलन की शुरुआत बना दें, तो उन्हें बहुत खुशी होगी। दिल से प्रयास करें कि जिस बच्चे का जन्मदिन हो, तो उसके घर जाकर उसके प्रांगण में या किसी अन्य जगह पर एक फलदार पौधा जरूर लगाएं।

बजट सत्र में जवाबदेही कानून लाएगी गहलोत सरकार

लोगों का काम न करने पर अफसरों को खोनी पड़ेगी नौकरी, सुझाव मांगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। यदि किसी पुलिस वाले ने आपकी शिकायत पर एफआईआर दर्ज नहीं की तो उसकी नौकरी जा सकती है। लाइसेंस नहीं बना तो आरटीओ के कर्मचारी की नौकरी जा सकती है। ऐसी एक या दो नहीं, राजस्थान में लोगों से जुड़ी सैकड़ों सर्विसेज हैं, जो जल्द ही एक ऐसे कानून के दायरे में आ जाएंगी, जिसके तहत तय समय में काम नहीं करने पर अफसरों और कर्मचारियों को सजा मिलेगी। राज्य सरकार इसके लिए राजस्थान लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी और जवाबदेही विधेयक-2022 नाम से एक क्रांतिकारी बदलाव लाने वाला कानून लाने वाली है।

इस कानून को बनाने के लिए प्रशासनिक सुधार विभाग ने आम लोगों से अपनी वेबसाइट पर सुझाव मांग रखे हैं। इन सुझावों को देने की अंतिम तारीख 9 नवंबर थी, जिसे अब बढ़ाकर 30 नवंबर कर दिया गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जोधपुर में एक कार्यक्रम के तहत इसका जिक्र भी किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक संगठनों ने कई बार इस कानून की मांग की है, अब जल्द ही इसे लाया जा रहा है। इधर सरकार से जुड़े सूत्रों का कहना है कि इस कानून को विधानसभा के अगले सत्र में पेश किया जाएगा। संभवत: अगला सत्र बजट सत्र होगा, जिसमें यह कानून पेश होगा। सरकारी विभागों में कार्यरत अफसरों-कर्मचारियों को जनता के काम समय पर करने के लिए जवाबदेह बनाने के लिए राज्य सरकार जो कानून लाना चाहती है, उस में जनता ने ही कोई खास रुचि नहीं दिखाई है। सचिवालय स्थित प्रशासनिक सुधार विभाग ने अपनी वेबसाइट पर महीने भर पहले इस कानून को बनाने के लिए आम लोगों से सुझाव मांगे थे। लेकिन कोई खास सुझाव मिले ही नहीं। राजस्थान में हाल ही सीएम अशोक गहलोत ने पुलिस जवाबदेही कमेटी बनाई है। इस कमेटी के गठित होने के बाद से ही प्रदेश में जवाबदेही कानून लागू करने की चर्चाएं तेज हो गई थीं। सीएम गहलोत ने अपने पिछले कार्यकाल में सेवाओं के प्रदान की गारंटी कानून भी 2011 में बनाया था।

गहलोत बोले, सावरकर ने 9 बार अंग्रेजों से माफी मांगी

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बीजेपी और केंद्र सरकार पर पंडित नेहरू की छवि खराब करने का आरोप लगाते हुए निशाना साधा है। गहलोत ने सावरकर के आजादी में योगदान पर सवाल उठाए हैं। गहलोत ने कहा- बीजपी वाले सावरकर का नाम ले रहे हैं। सावरकर ने तो जेल होते ही एक साल के अंदर अंग्रेजों से नौ बार माफी मांगी थी। जब विश्व युद्ध हुआ तो अंग्रेजों के लिए भर्ती करवाई। ये क्या मुकाबला करेंगे पंडित नेहरू का। देश के लिए नेहरू 9 साल तक जेल में रहे। दुर्भाग्य है कि पूरे देश के अंदर धर्म के नाम पर एक ढांचा बन गया। धर्म के नाम पर राजनीति करना सबसे आसान होता है। गहलोत ने कहा- बीजेपी-आरएसएस वाले धर्म के नाम पर गुमराह कर रहे हैं। ये फासिस्ट ताकतें लोगों को गुमराह कर रही हैं। सोची समझी साजिश के तहत देशवासियों को गुमराह किया जा रहा है। आजादी की 75वीं वर्षगांठ के समारोह से नेहरू का नाम ही गायब कर दिया। नेहरू के योगदान और उनके नाम को मिटाने का षडयंत्र किया जा रहा है।

ज्ञानवापी केस में 17 को आएगा फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वाराणसी-ज्ञानवापी परिसर से संबंधित मुकदमे में ऑर्डर को अगली तारीख के लिए टाल दिया गया। फैसले के लिए अगली तारीख 17 नवंबर 2022 तय हुई। कोर्ट का कहना है कि ऑर्डर तैयार करने में समय लग रहा है। इससे पहले इस मुकदमे की सुनवाई 8 नवंबर को ही होनी थी।

मगर, कोर्ट के पीठासीन अधिकारी के छुट्टी पर होने की वजह से 14 नवंबर की अगली डेट फिक्स कर दी गई थी। यह मुकदमा विश्व वैदिक सनातन संघ के प्रमुख जितेंद्र सिंह विसेन की पत्नी किरन सिंह विसेन और अन्य की ओर से दाखिल किया गया है। कोर्ट में हिंदू और मुस्लिम पक्ष अपनी बहस पूरी कर उसकी लिखित प्रति दाखिल कर चुके हैं। जितेंद्र सिंह विसेन ने बताया कि इस मुकदमे में यूपी सरकार, वाराणसी के डीएम और पुलिस कमिश्नर, अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी और विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट को प्रतिवादी बनाया गया है।

भूमाफिया बाफिला पर मेहरबान एलडीए नहीं तोड़ा जा रहा लक्ष्मी मार्केट

अधिकारियों की मिलीभगत के चलते नहीं हो रही कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के अधिकारी व अफसर भूमाफिया दिलीप सिंह बाफिला पर मेहरबान है। मंडलायुक्त रोशन जैकब के आदेश के बाद भी गोमतीनगर विस्तार स्थित लक्ष्मी मार्केट नहीं तोड़ा जा रहा, बल्कि अधिकारी और अफसर मंडलायुक्त के आदेश को दरकिनार कर कार्रवाई को मैनेज करने के साथ काम्प्लेक्स को बचाने में जुटे हैं। यही नहीं, एलडीए में नोटिस का खेल चल रहा है। तभी इसकी आड में लक्ष्मी मार्केट में अवैध निर्माण करवा इंजीनियर व अधिकारी अपनी जेबें भर रहे हैं।

बाफिला ने काम्प्लेक्स में अवैध ढंग से बनवा रखी हैं दुकानें

दरअसल, मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने गोमतीनगर विस्तार स्थित लक्ष्मी मार्केट और भूमाफिया दिलीप सिंह बाफिला के अवैध कॉम्प्लेक्स को ध्वस्त होने से रोकने की अपील खारिज कर दी है। उन्होंने एलडीए का ध्वस्तीकरण आदेश सही ठहराते हुए भवन गिराने का आदेश दिया है। भू माफिया दिलीप सिंह बाफिला ने गोमतीनगर विस्तार में अवैध ढंग से दुकानें और कांप्लेक्स बनवा ली हैं। एलडीए ने इसका ध्वस्तीकरण का आदेश पारित किया था। विरोध में बाफिला ने कमिश्नर कोर्ट में अपील की थी। कमिश्नर ने नौ नवंबर को बाफिला की अपील खारिज कर दी। उन्होंने आदेश में लिखा है कि बाफिला की बिल्डिंग भूउपयोग के विपरीत बनी है। भू उपयोग आवासीय है, लेकिन इसमें वर्तमान में भूतल, प्रथम तल, द्वितीय तल का काम्प्लेक्स बना है। मौके पर दुकानों के बड़े-बड़े बोर्ड भी लगे हैं।

कमिश्नर ने उसकी अपील आधारहीन होने से निरस्त कर दी। आदेश की प्रति प्राधिकरण भेजने को कहा है, ताकि प्राधिकरण इसे ध्वस्त कराए। इसके अलावा तारा सिंह बिष्ट ने भी अवैध तरीके से गोमती नगर विस्तार में लक्ष्मी मार्केट बना रखा है। कमिश्नर ने तारा सिंह बिष्ट की भी अपील खारिज कर दी है। इसकी अपील उन्होंने सितंबर 2022 में खारिज की थी। तारा सिंह बिष्ट ने यहां काफी बड़ी लक्ष्मी मार्केट बना रखा है, जो पूरी तरह अवैध है। कमिश्नर के आदेश के दो माह बीत गये हैं, लेकिन एलडीए ने इस पर बुलडोजर नहीं चलाया है।

सप्लाई चेन टूटने से महंगी हुई वस्तुएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश में महंगाई के मामले में सब ठीक है। देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि सप्लाई चेन के टूटने की वजह से वस्तुओं की कीमतें बढ़ीं हैं। जबकि, तुलनात्मक रूप से देखा जाए तो अमेरिका और यूरोप के देशों में महंगाई दर हमसे कहीं अधिक है।

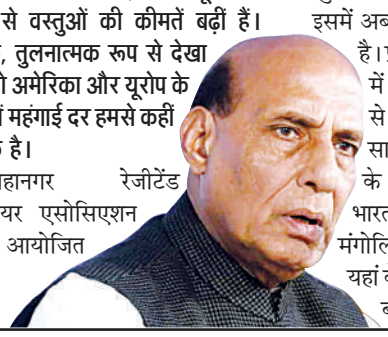

महानगर रेजीटेंड वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में रक्षामंत्री ने कहा कि लंबे समय तक कोविड संक्रमण और फिर इसके बाद यूक्रेन युद्ध के चलते उपयोगी वस्तुओं की सप्लाई चेन प्रभावित रही। इसमें अब सुधार देखने को मिल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की अगुआई में सरकार इस दिशा में तेजी से काम कर रही है। इसके साथ ही हमारी सरकार के आने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की ख्याति बढ़ी है। मैं खुद मंगोलिया पिछले दिनों गया था। यहां के राष्ट्रपति ने ऐसा मुझसे खुद बोला। इससे मुझे व्यक्तिगत तौर पर गर्व महसूस हुआ। उन्होंने कहा कि देश से निर्यात के अलावा निवेश भी बढ़ा है। पूर्व से अर्थव्यवस्था बेहतर हुई है। इकॉनमी साइज में अब हम नौ से पांचवें पायदान पर आ चुके हैं। जल्दी ही दुनिया की तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में हम शामिल हो चुके होंगे। हमारी सरकार मेक इन इंडिया के साथ अब मेक फॉर वर्ल्ड की दिशा में भी काम कर रही है। इससे रोजगार और निर्यात दोनों बढ़ाते हुए अर्थव्यवस्था मजबूत करने में मदद मिलेगी। लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल को फैक्ट्री का काम तेज हो गया है।

निकाय चुनाव में दूसरे दल से आए नए लोगों को भी कांग्रेस में मिलेगा मौका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले उत्तर प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव के सेमीफाइनल में कांग्रेस हर वार्ड में अपनी ताकत आजमाएगी। इसके लिए उसके दरवाजे दूसरे दलों से आने वाले नेताओं के लिए भी खुले रहेंगे। इतना ही नहीं, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी का यहां तक दावा है कि कई छोटे दलों के नेता उनके संपर्क में हैं और फाइनल मुकाबले से पहले वे खुलकर पंजे से पंजा मिलाएंगे। अब राजनीति में ऊंट किस करवट बैठेगा, यह कहना किसी के लिए भी कठिन ही होगा। पर, यह साफ है कि कांग्रेस निकाय चुनाव में अपनी नई टीम जुटाने का पूरा प्रयास करेगी।

आवश्यकता है

लखनऊ के तेजी से बढ़ते हुए बहुचर्चित अखबार सांध्य दैनिक 4PM के लिये अनुभवी उपसंपादक और वीडियो एडिटर की जरूरत है।

खबरों पर तेज निगाह रखने वाले अपनी सीवी मेल करें।

daily4pm@gmail.com
sharmasanjaya.05@gmail.com

सम्मान निधि ले रहे सात लाख किसान निकले अपात्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में सात लाख से ज्यादा किसान ऐसे हैं जिन्होंने फर्जीवाड़ा कर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ लिया है। भूलेख सर्वे में यह खुलासा हुआ है। ऐसे किसानों से रिकवरी की जा रही है। अब तक कुल 26 करोड़ वसूल जा चुके हैं। इन किसानों को निधि के 12वीं किस्त भी नहीं दी जाएगी।

निधि वितरण में लगातार मिल रही गड़बड़ियों पर सरकार भूलेख सर्वे करा रही है। सर्वे तहसील स्तर पर राजस्व की टीमें कर रही हैं। वहीं, इस योजना के तहत बीते दिनों 11 वीं किस्त जारी हुई थी। इसके तहत प्रदेश के 2.6 करोड़ किसानों को 51,640 करोड़ रुपए दिए गए थे। अब 12वीं किस्त के रूप में मिले 48,324 करोड़ रुपये का वितरण किया जा रहा है।

गुजरात के उत्तर भारतीयों को साधने में जुटी यूपी बीजेपी

» मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी पहुंचेंगे जनसमर्थन जुटाने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गुजरात विधानसभा चुनाव में केसरिया परचम लहराने के लिए उत्तर प्रदेश की भाजपा टीम भी पूरी ताकत झोंकेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत भाजपा के स्टार प्रचारक तो इस मुहिम को धार देंगे ही, राज्य सरकार के मंत्री भी इस मोर्चे पर डट गए हैं। गुजरात में बड़ी संख्या में बसे उत्तर भारतीयों को साधने के लिए उत्तर प्रदेश भाजपा का 162 सदस्यीय दल बतौर प्रवासी गुजरात में पहले ही डेरा डाल चुका है।

गुजरात में उत्तर भारतीयों की बड़ी संख्या को देखते हुए उत्तर प्रदेश भाजपा को वहां बड़ा दायित्व दिया गया है। गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र और अहमदाबाद महानगर के 64 विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी की विजय पताका फहराने की जिम्मेदारी यूपी भाजपा को सौंपी गई है। गुजरात में प्रचार शुरू होते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अन्य स्टार प्रचारकों की जनसभाएं और रैलियां 20 नवंबर के बाद शुरू होंगी। फिलहाल उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य समेत प्रदेश के कई मंत्री और सांसद गुजरात में पार्टी के प्रचार में जुट गए हैं। गुजरात में पिछड़ा वर्ग के मतदाताओं की बड़ी संख्या को देखते हुए इस वर्ग से ताल्लुक रखने वाले यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य अहमदाबाद में प्रवास कर रहे हैं। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह कच्छ क्षेत्र को मथ रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक बबिता चतुर्वेदी के लिए 4पीएम आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक- अर्चना दयाल, संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।